6.5.24

Pg 1 B+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा

विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ - 163-165)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज मैं आपको आपकी हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा - 8 के पृष्ठ - 163 पर दिए मुहावरों को पढ़ाऊँगी और समझाऊँगी। यह कार्य आपको 6.5.24 को भेजा जा रहा है।

वैसे तो आप अपनी पिछली कक्षाओं में भी मुहावरों के विषय में पढ़ते आ रहे हैं। आज मैं फिर से इनके बारे में पढ़ाऊँगी। हम अपनी भाषा में कई बार मुहावरों का प्रयोग करते हैं; जैसे:-

(क) रानी ने मोहन से चुगली की। अब इस वाक्य को दूसरे ढंग से लिखते हैं - रानी ने मोहन के कान भरे।

(ख) पुलिस को आता देखकर चोर घबरा गया।
पुलिस को आता देखकर चोर के हाथों के तोते उड़ गए।

इन वाक्यों में मुहावरों का प्रयोग किया गया है।

(ग) कक्षा में प्रथम आने की सूचना पाकर मैं खुशी से फूला न समाया अर्थात् बहुत खुश हुआ।

(घ) केवल हवाई किले बनाने से काम नहीं चलता, मेहनत भी करनी पड़ती है अर्थात् कल्पना में खोए रहना।

बच्चो, इन वाक्यों में खुशी से फूला न समाया और हवाई किले बनाने वाक्यांश विशेष अर्थ दे रहे हैं।

(पृष्ठ-1)

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

6.5.24

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा Pg 2 B+
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

यहाँ इनके शाब्दिक अर्थ नहीं लिए जाएँगे। ये विशेष अर्थ ही मुहावरे कहलाते हैं।

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है - अभ्यास। हिंदी भाषा में मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर, प्रभावशाली, संक्षिप्त तथा सरल बनाने के लिए किया जाता है। ये वाक्यांश होते हैं। इनका प्रयोग करते समय इनका शाब्दिक अर्थ न लेकर विशेष अर्थ लिया जाता है। मुहावरों के विशेष अर्थ कभी नहीं बदलते। ये सदैव एक-से रहते हैं। ये लिंग, वचन और क्रिया के अनुसार वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं।

इस प्रकार,

जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, वह मुहावरा कहलाता है।

1. अंधे की लाठी (अर्थ:- एकमात्र सहारा)
वाक्य:- सेठ जी के दुर्घटना में मारे जाने के बाद उनका बेटा ही सेठानी की अंधे की लाठी है।

2. आँख से ओझल होना (अर्थ:- गायब होना)
वाक्य:- (क) पुलिस को देखते ही चोर आँखों से ओझल हो गया।
(ख) देखते ही देखते हिरन शिकारी की आँखों से ओझल हो गया।

3. घड़ों पानी पड़ना (अर्थ- लज्जित होना)
वाक्य- (क) जब नकल करते हुए मोहन पकड़ा गया तो उस पर घड़ों पानी पड़ गया।

पृष्ठ-2

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

Pg 3 B+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

(ख) रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़े जाने के कारण अनेक अधिकारियों की छवि पर घड़ों पानी पड़ गया।

4. कोल्हू का बैल (अर्थ:- बहुत परिश्रमी) दिन-रात परिश्रम करना
वाक्य-(क) श्यामू दिन-रात कोल्हू के बैल की तरह खेतों में काम करता है।
(ख) आजकल हर व्यक्ति अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए कोल्हू के बैल की तरह काम करता है।

5. अपना राग अलापना (अर्थ:- अपनी कहना, दूसरे की न सुनना)
वाक्य-(क) सोहन के घर मैं नहीं जाऊँगा वह तो अपना ही राग अलापता रहता है, किसी की सुनता ही नहीं।
(ख) रीमा किसी की नहीं सुनती। हर समय अपना राग अलापती है।

6. गीदड़ भभकी (अर्थ:- झूठा डर दिखाना, बंदर घुड़की)
वाक्य-(क) हम सब तुम्हारी असलियत जानते हैं इसलिए तुम्हारी गीदड़ भभकियों से डरने वाले नहीं।
(ख) तुम्हारी गीदड़ भभकी से मैं डरने वाला नहीं हूँ।

7. अंग-अंग ढीला होना (अर्थ:- बहुत थक जाना)
वाक्य-(क) पहाड़ी रास्ते पर चलते-चलते मेरा अंग-अंग ढीला हो गया
(ख) मैं आज तुम्हारे साथ खेलने नहीं जाऊँगा क्योंकि मेरा अंग-अंग ढीला हो रहा है।

8. बात का धनी होना (अर्थ:- वायदे का पक्का होना) (पृष्ठ-3)

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

6.5.24

Pg 4 D+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

वाक्य-(क) राजेश पर विश्वास किया जा सकता है क्योंकि वह बात का धनी है।
(ख) मोहनलाल है तो गरीब लेकिन बात का धनी है।

9. अक्ल का दुश्मन (अर्थ:- बुद्धिहीन, मूर्ख)
वाक्य:- शोभित तो निरा अक्ल का दुश्मन है जो लगी-लगाई सरकारी नौकरी छोड़कर वापस आ गया।

10. अक्ल के घोड़े दौड़ाना (अर्थ:- तरह-तरह के विचार करना)
वाक्य- जब एक बच्चा गहरे गड्ढे में गिर गया तो सभी अक्ल के घोड़े दौड़ाने लगे कि उसे सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए?

11. अक्ल पर पत्थर पड़ना (अर्थ:- बुद्धि भ्रष्ट होना)
वाक्य:- जब बुरे दिन आते हैं तो मनुष्य की अक्ल पर पत्थर पड़ जाते हैं।

12. अगर-मगर करना (अर्थ:- तरह-तरह के बहाने बनाना) (टालमटोल करना)
वाक्य- संयम बड़ा ही स्वार्थी है जब भी कोई उससे मदद माँगता है, वह अगर-मगर करने लगता है।

13. गुड़ गोबर होना (अर्थ:- बना-बनाया काम बिगाड़ना)
वाक्य- आज अच्छा-खासा हमारा घूमने का कार्यक्रम बना था, अचानक बारिश आने से सारा गुड़ गोबर हो गया।

Tutorial
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

Pg. 5 B+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

14. अपना-सा मुँह लेकर रह जाना (अर्थ:- शर्मिंदा होना)
वाक्य:- रीता ने हमेशा रागिनी को नीचा दिखाया लेकिन जब वह आठवीं में प्रथम आई तो रीता अपना-सा मुँह लेकर रह गई।

15. छाती पर मूँग दलना (अर्थ:- जान-बूझकर दुख देना)
वाक्य- मेरा किरायेदार तो मेरी छाती पर मूँग दल रहा है, न मकान खाली कर रहा, न ही किराया दे रहा है।

16. हक्का-बक्का रह जाना (अर्थ:- हैरान रह जाना)
वाक्य- जब मैंने अपने होशियार मित्र को नकल करते देखा तो मैं हक्का-बक्का रह गया।

17. सब्ज़बाग दिखाना (अर्थ:- झूठी दिलासा, सपने दिखाना)
वाक्य- राकेश ने दिनकर को पहले तो नौकरी दिलाने के सब्ज़बाग दिखाए और बाद में अपनी बात से मुकर गया।

18. आँख खुलना (अर्थ:- होश आना, सचेत होना)
वाक्य- ठोकर खाने के बाद ही बहुत से लोगों की आँखें खुलती हैं।

19. आँखें चुराना (अर्थ:- अनदेखा करना, अपने को छिपाना)
वाक्य- जब हरीश ने सोमेश से पैसे उधार लिए हैं, उसे देखते ही वह उससे आँखें चुराने लगा है।

20. आँखों का तारा (अर्थ:- बहुत प्यारा
वाक्य- आज्ञाकारी बच्चा माँ-बाप की आँखों का तारा होता है।

(पृष्ठ-5)

Tutorial
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

Pg 6 B+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

21. आँखों में धूल झोंकना (अर्थ:- धोखा देना)
वाक्य- आजकल कई नकली कंपनियाँ लोगों की आँखों में धूल झोंककर उनसे धन लेकर गायब हो जाती हैं।

22. आकाश-पाताल एक करना (अर्थ:- बहुत परिश्रम करना)
वाक्य- इंजीनियरिंग में दाखिला पाने के लिए मनीष ने आकाश-पाताल एक कर दिया।

23. आग में घी डालना (अर्थ:- क्रोध को और बढ़ाना)
वाक्य- पिताजी अपनी घड़ी खोने से दुखी पहले से ही थे, मेरे खराब परीक्षा परिणाम ने आग में घी और डाल दिया।

24. आँच न आने देना (अर्थ:- कष्ट न होने देना)
वाक्य- जब तक मैं ज़िंदा हूँ, तुम पर आँच नहीं आने दूँगा।

25. आसमान सिर पर उठाना (अर्थ:- बहुत शोर करना)
वाक्य- अपनी टीम के जीतने की खबर सुनकर सभी बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

26. आग बबूला होना (अर्थ:- क्रोध से भर जाना)
वाक्य- रजत के परीक्षा में कम अंक आने पर पिताजी आग बबूला हो गए।

27. आपे से बाहर होना (अर्थ:- गुस्से पर काबू न रख पाना)
वाक्य- अपनी नई कमीज़ पर स्याही के निशान देखकर पिताजी आपे से बाहर हो गए।

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

6.5.24

कक्षा-आठवीं सुमन शर्मा Pg 7 B+

विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-163-165)

28. आसमान से बातें करना (अर्थ:- बहुत ऊँचा होना)
वाक्य- आजकल की इमारतें तो आकाश से बातें करती हैं।

29. आस्तीन का साँप होना (अर्थ:- धोखेबाज)
वाक्य- राजू आस्तीन का साँप है, उस पर विश्वास करना मूर्खता है।

30. ईंट का जवाब पत्थर से देना (अर्थ:- शत्रु को कड़ा जवाब देना)
वाक्य- भारतीय सैनिक रणक्षेत्र में ईंट का जवाब पत्थर से देने में नहीं हिचकिचाते।

31. ईंट से ईंट बजाना (अर्थ:- सब कुछ नष्ट कर देना)
वाक्य- रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों की ईंट से ईंट बजा दी।

32. ईद का चाँद होना (अर्थ:- बहुत दिनों बाद दिखाई देना।)
वाक्य- क्या बात है रानी, आजकल दिखाई नहीं देती, तुम तो ईद का चाँद हो गई हो!

33. पाँचों उँगलियाँ घी में होना (अर्थ:- लाभ ही लाभ होना)
वाक्य- जब से सोहन ने चाँदी का व्यापार शुरू किया है उसकी पाँचों उँगलियाँ घी में हैं।

34. उन्नीस-बीस का अंतर (अर्थ:- बहुत कम अंतर होना)
वाक्य:- प्राची और साँची जुड़वाँ बहनें हैं। दोनों की शक्ल में उन्नीस-बीस का अंतर है।

35. उलटी गंगा बहाना (अर्थ:- विपरीत कार्य करना)
वाक्य- अपने ही शिक्षक को सीख देकर तुम उलटी गंगा क्यों बहा रहे हो?

गृहकार्य:- सब बच्चे इस भेजे गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे व याद करेंगे।

(अंतिम पृष्ठ-7)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner